E-461

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जून–जुलाई 2021–22

प्रारंभिक भाषा शिक्षण में डिप्लोमा

विषय–प्रारंभिक भाषा एवं साक्षरता : एक झलक **प्रश्नपत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड–अ

1. भाषा विकास के कितने घटक हैं ? नाम बताइये।
2. दो बच्चे खेलते हुए आपस में बातें कर रहे हैं। इनमें 'बेक्स' भाषा की आवश्यकता है या 'कैनप' की।
3. शब्दावली से क्या तात्पर्य है ?
4. मनुष्यों का आपस में संप्रेषण का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण माध्यम क्या है ?
5. भाषा का प्रयोग एक अत्यंत ..... और ..... मानवीय कौशल है।
6. दो साल के बच्चे में हर रोज ..... से ..... शब्दों को सीखते हुए आश्चर्यजनक प्रगति होने लगती है।
7. डिकोडिंग का क्या अर्थ है ?
8. मोटर कौशल क्या है ?

खण्ड–ब

9. व्यावहारिक अवधारणा एवं सैद्धांतिक अवधारणा में अन्तर बताइये।
10. मौखिक भाषा का महत्व बताइये।

11. साक्षरता से आप क्या समझते हैं ? उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।
12. 'पढ़ना सिम्फनी (वाद्य-वृंद-रचना) आर्केस्ट्रा जैसा है।' स्पष्ट कीजिए।
13. स्थानिक एवं सार्विक समझ से क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए।
14. प्रत्यक्ष अवधारणा से आप क्या समझते हैं ? उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—स

15. भाषायी समझ से क्या तात्पर्य है ? उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।
16. गनपति की केस स्टडी लिखिए।
17. चिंतन/विश्लेषण/तर्कशीलता भाषा सीखने का अभिन्न अंग है❁ कैसे ? अपने अनुभव लिखिए।
18. भाषायी समझ से क्या तात्पर्य है ? उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

खण्ड—द

19. पढ़ना सीखने के लिए डिकोडिंग महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है❁ पर अपने आप में पर्याप्त नहीं है। कैसे ? स्पष्ट कीजिए।
20. गनपति जैसे बच्चों को साक्षरता शिक्षण में आने वाली बाधाएँ क्या हैं ?
21. भाषा के कार्यों का विस्तृत वर्णन कीजिए।
22. भाषा और विचार में क्या सम्बन्ध है ? व्याख्या कीजिए।

खण्ड—इ

23. शब्द पहचान की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए।
24. डिकोडिंग की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

आवश्यक निर्देश :—

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28.02.2022 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व—हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जून—जुलाई 2021—22 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जून—जुलाई 2021—22 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय—वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक—सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

E–462

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जून–जुलाई–2021–22

प्रारंभिक भाषा शिक्षण में डिप्लोमा

विषय–प्रारंभिक कक्षाओं में भाषा शिक्षण : एक समीक्षा **प्रश्नपत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड–अ

1. ई. जी. आर. शोध (2012) के अनुसार बच्चों में मौखिक भाषा विकास का कार्य किसे करना चाहिए ?
2. भारत के राज्यों में पढ़ना सिखाने की सबसे प्रचलित प्रक्रिया कौन-सी है ?
3. ऐसे काम जिसको करते वक्त बच्चे पूरी तरह सक्रिय रहते हैं❁ क्या कहलाता है ?
4. एक व्यक्ति या समूह द्वारा दो या अधिक भाषाओं के प्रयोग करने की स्थिति क्या कहलाती है ?
5. पढ़ने का असल उद्देश्य क्या है ?
6. जिन बच्चों की प्रथम भाषा स्कूल की भाषा से अलग हो❁ तो वे किस भाषा में सोचते या विचार करते हैं ?
7. "मुझे कुछ बताएँ मैं समझ जाऊँगा" किस भाषा का मुहावरा है ?
8. ई. जी. आर. शोध (2012) के अनुसार बच्चों एवं अध्यापिका द्वारा बोले गए मौखिक भाषा संख्या लिखिए।

खण्ड—ब

9. पढ़ने के **दो** महत्त्वपूर्ण आयामों का उल्लेख कीजिए।
10. वर्किंग मेमोरी या कार्य स्मृति को समझाइये।
11. स्वतंत्र स्तर की पाठ्य सामग्री किसे कहते हैं ?
12. भाषाई विविधता को संक्षेप में समझाइये।
13. भाषा शिक्षण को छोटे बच्चों के लिए रुचिकर बनाने हेतु कौन-कौन सी गतिविधियाँ प्रयुक्त की जानी चाहिए ?
14. अल्प साक्षर परिवारों के बच्चों को स्कूल में पढ़ना-लिखना सीखने में समस्याएँ क्यों आती हैं ?

खण्ड—स

15. ई. जी. आर. (2012) शोध के अनुसार असल कक्षाओं में भाषा सिखाने का काम कैसे होता है ? उल्लेख कीजिए।
16. कक्षा में बच्चों की सक्रिय भागीदारी की विस्तार से व्याख्या कीजिए।
17. बच्चे शिक्षण में क्यों पिछड़ते हैं ? उनके पिछड़ने के कारणों का निदान कैसे किया जा सकता है ? तर्क सहित समझाइये।
18. बच्चों की सक्रिय भागीदारी के लिए एक शिक्षक के रूप में आप कक्षा में क्या करेंगे ? सविस्तार लिखिए।

खण्ड—द

19. पाठ्य सामग्री से क्या आशय है ? पाठ्य सामग्री तय करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ? पाठ्य सामग्री को कुल कितनी श्रेणियों में बाँटा गया है ? प्रत्येक की व्याख्या कीजिए।
20. बच्चों की शिक्षा में उपलब्धि किन कारणों से जुड़ी होती है ? बच्चों के निम्न उपलब्धि के लिए जिम्मेदार गैर-स्कूली कारकों को विस्तार से समझाइये।
21. प्रारम्भिक कक्षाओं में पाठ्यपुस्तक का स्वरूप कैसा होना चाहिए ? पाठ्यपुस्तक में बदलाव से क्या आप सहमत हैं ? बदलाव के पहलुओं पर प्रकाश डालिए❁ जिससे छात्रों में भाषा शिक्षण आसान हो सके।
22. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भाषाई उपलब्धता असंतोषप्रद है। इसके कारण भाषा का प्रभाव सकारात्मक नहीं पड़ता। भाषाई कुशलता हेतु उपाय सुझाइए।

खण्ड—इ

23. प्रारम्भिक कक्षाओं के भाषा शिक्षक कक्षा-1 का अधिकांश समय वर्णमाला और मात्राओं को सीखने में लगाते हैं। क्या कारण है कि इसके बावजूद बहुत-से बच्चे दो सालों में भी अच्छी गति से डीकोड करना/ शब्दों

को जल्दी-जल्दी और सही पढ़ना नहीं सीख पाते ? आपकी राय में जो भी कारण हैं उन्हें विस्तार से समझाइये।

24. प्रारम्भिक कक्षाओं (1 से 5) में बच्चों की भाषा शिक्षण में विविधता पायी जाती है। इसके कारणों को उदाहरण सहित विस्तारपूर्वक समझाइये।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28.02.2022 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जून–जुलाई 2021–22 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जून–जुलाई 2021–22 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

E–463

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जून–जुलाई 2020–21

प्रारंभिक भाषा शिक्षण में डिप्लोमा

विषय–सीखने–सीखाने के कुछ सिद्धांत और रणनीतियां **प्रश्नपत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड–अ

1. सीखना एक अर्थ निर्माण की प्रक्रिया है। (सत्य/असत्य)
2. सतत् आकलन शिक्षण के साथ चलने वाली प्रक्रिया है। (सत्य/असत्य)
3. कक्षा में शिक्षण को बच्चों की दुनिया उनके सामाजिक- सांस्कृतिक परिवेश से जोड़ना आवश्यक नहीं है। (सत्य/असत्य)
4. बालक के पूर्व ज्ञान उनके नए ज्ञान अर्जन पर प्रभाव डालते हैं। (सत्य/असत्य)
5. कक्षा में चर्चा❁ बातचीत❁ खुले प्रश्न बच्चों को गहराई से सोचने की अपेक्षा उन्हें भ्रमित कर देते हैं। (सत्य/असत्य)
6. विस्तारित वार्तालाप एक कारगर विधि है। (सत्य/असत्य)
7. एक कक्षा में ज्यादातर या सभी बच्चे सीखने के एक ही स्तर पर होंगे। (सत्य/असत्य)
8. बच्चों को सोचने का ज्यादा समय देना चाहिए। (सत्य/असत्य)

खण्ड—ब

9. सीखने के नाम पर कौन-सी **तीन** चीजें सीखी जाती हैं ?
10. पढ़ना और सीखना एक सिक्के के दो पहलू हैं। समझाइये।
11. सीखने को परिभाषित कीजिए।
12. ज्ञान क्या है ? समझाइये।
13. खुले छोर वाले प्रश्न (open-ended question) का एक उदाहरण दीजिए।
14. स्थानिक समझ (Local Comprehension) किसे कहते हैं ?

खण्ड—स

15. सीखने पर प्रभाव डालने वाले कारकों की सूची तैयार कीजिए।
16. बच्चों के पूर्व ज्ञान का शिक्षण में कैसे प्रयोग करेंगे ?
17. बच्चा दूसरों के साथ या दूसरों से कैसे सीख पाता है ?
18. बच्चो को दिया जाने वाला 'प्रतीक्षा समय' क्या है ? यह क्यों आवश्यक है ?

खण्ड—द

19. बच्चों का ज्ञान भंडार बढ़ाने का उपाय समझाइये।
20. स्कैफोल्डिंग का शिक्षा में प्रयोग बताइये।
21. कक्षा में सौहार्दपूर्ण माहौल बनाने के कुछ तरीकों का वर्णन कीजिए।
22. बच्चों को नए विचारों पर सोचने और उन्हें आत्मसात करने हेतु आप कक्षा में किस तरह की गतिविधि करेंगे ?

खण्ड—इ

23. सीखना-सिखाना और सतत् आकलन पर विस्तार से वर्णन कीजिए।
24. जेड; पी. डी.❁ स्कैफोल्डिंग एवं सीखने की जिम्मेदारी क्रमशः बच्चों को सौंपना इनमें आपस में क्या सम्बन्ध है ? समझाइये।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28.02.2021 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जून–जुलाई 2021–22 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जून–जुलाई 2021–22 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

E–464

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जून–जुलाई 2021–22

प्रारंभिक भाषा शिक्षण में डिप्लोमा

विषय–प्रारंभिक कक्षाओं में संतुलित भाषा शिक्षण **प्रश्नपत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड–अ

सत्य/असत्य बताइए :

1. लोगोग्राफिक पठन में शब्दों को आकृति के रूप में पढ़ना होता है। (सत्य/असत्य)
2. पढ़ना भाषा व मनोविचारों के बीच आदान-प्रदान है। (सत्य/असत्य)
3. पढ़ने का सबसे प्रमुख उद्देश्य पाठ का अर्थ निर्माण करने की प्रक्रिया है। (सत्य/असत्य)
4. शब्दावली का ज्ञान भाषायी समझ का हिस्सा नहीं है। (सत्य/असत्य)
5. मौखिक भाषा क्षमता❁ पठन कौशल एवं लेखन कौशल एक- दूसरे को पुष्ट करते हैं। (सत्य/असत्य)
6. डिकोडिंग का शिक्षण केवल किसी सन्दर्भ में ही किया जाना चाहिए। (सत्य/असत्य)
7. बच्चे समझते हुए पढ़ना अपने आप सीख जाते हैं❁ उन्हें सीखने की आवश्यकता नहीं होती है। (सत्य/असत्य)
8. सन्तुलित शिक्षण पद्धति इस बात पर जोर देती है कि हर गतिविधि के लिए एकसमान समय दिया जाना चाहिए। (सत्य/असत्य)

खण्ड—ब

9. भाषा शिक्षण के **दो** विपरीत दृष्टिकोणों का नाम बताइए।
10. लोगोग्राफिक पठन क्या है ?
11. शब्द पहचान की प्रक्रियाओं का उल्लेख कीजिए।
12. भाषायी समझ की क्षमताएँ क्या-क्या हैं ?
13. छोटी ध्वनि इकाइयों का उदाहरण दीजिए।
14. बच्चों के विकास के लिए आवश्यक **दो** बुनियादी क्षमताएँ कौन-सी हैं ?

खण्ड—स

15. समग्र भाषा शिक्षण पद्धति का लेखाचित्र खींचिए।
16. डिकोडिंग आधारित भाषा शिक्षण किसे कह सकते हैं ?
17. कक्षा में प्रिंट समृद्ध वातावरण से आप क्या समझते हैं ?
18. ध्वनि व चिन्ह के बीच क्या सम्बन्ध है ?

खण्ड—द

19. अर्थ आधारित शिक्षण की मान्यताओं की चर्चा कीजिए।
20. 'प्रथम' शैक्षिक संगठन की साक्षरता अध्यापन पद्धति का वर्णन कीजिए।
21. 'समग्र से अंश की ओर' और 'अंश से समग्र' तक की प्रक्रिया क्या है ?
22. सन्तुलित या व्यापक पद्धति के आयामों की चर्चा कीजिए।

खण्ड—इ

23. सन्तुलित भाषा शिक्षण के चार खण्डीय मॉडल की विस्तार से विवेचना कीजिए।
24. आर्गेनाइजेशन फॉर अर्ली लिट्रेसी प्रोमोशन (ओ. ई. एल. पी.) संस्था के उद्देश्य बताते हुए इसके प्रतिदिन के कार्यक्रमों की रूपरेखा का विस्तार से वर्णन कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2022 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जून–जुलाई 2021–22 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जून–जुलाई 2021–22 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

E–465

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जून–जुलाई 2021–22

प्रारंभिक भाषा शिक्षण में डिप्लोमा

विषय–प्रारंभिक साक्षरता के बुनियादी कौशल : भाग 1 **प्रश्नपत्रः पंचम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड–अ

सत्य/असत्य पर निशान लगाइये :

1. प्रिंट चेतना डिकोडिंग क्षमता का आवश्यक घटक है। (सत्य/असत्य)
2. डिकोडिंग का शिक्षण भाषा कालांश के एक-तिहाई से ज्यादा नहीं होना चाहिए। (सत्य/असत्य)
3. लिखित शब्दों को सही रूप में पहचानने की प्रक्रिया शब्द पहचान कहलाती है। (सत्य/असत्य)
4. वर्ण हमारे मुख से निकली सबसे छोटी ध्वनि का लिखित रूप है। (सत्य/असत्य)
5. प्रिंट चेतना में हिन्दी बाएँ से दाएँ पढ़ी जाती है।(सत्य/असत्य)
6. एल. एल. एफ. का पूरा नाम बताइये।
7. डिकोडिंग सीखने के लिये एक अनिवार्य बुनियादी कौशल कौन-सा है ?
8. शब्द पहचान मुक्त कौशल है । (सत्य/असत्य)

खण्ड—ब

9. 'दृश्य' शब्द से आप क्या समझते हैं ?
10. लिखित शब्दों को सही रूप में कैसे पहचान सकते हैं ?
11. डिकोडिंग को परिभाषित कीजिए।
12. ध्वनि जागरूकता व प्रिंट चेतना की **दो** विशेषताएँ लिखिए।
13. उभरती साक्षरता क्या है ?
14. तुकांत शब्द से सम्बन्धित खेलों की जानकारी दीजिए।

खण्ड—स

15. मुक्त कौशल व बद्ध कौशल के बीच सम्बन्धों को समझाइये।
16. कक्षा को प्रिंट समृद्ध बनाने के उपाय बताइए।
17. प्रिंट चेतना क्यों महत्त्वपूर्ण है ?
18. सीखने के प्रतिफल क्या हैं ?

खण्ड—द

19. आकृति भेद डिकोडिंग में कैसे मदद करता है ?
20. प्रिंट की अवधारणा के अन्तर्गत शामिल तत्वों को समझाइये।
21. सुदृढ़ डिकोडिंग क्षमता क्यों जरूरी है ?
22. लोगोग्राफिक पठन क्या है ? इसे कितने चरणों में बाँटा गया है ?

खण्ड—इ

23. अनगढ़ लेखन का बच्चों के सीखने पर कैसे प्रभाव पड़ता है ? समझाइये।
24. डिकोडिंग शिक्षण की विशेषताओं को विस्तार से समझाइये।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2022 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जून–जुलाई 2021–22 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जून–जुलाई 2021–22 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

E–466

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जून–जुलाई 2021–22

प्रारंभिक भाषा शिक्षण में डिप्लोमा

विषय–प्रारंभिक साक्षरता के बुनियादी कौशल : भाग 2 **प्रश्नपत्रः षष्ठ्म**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड–अ

1. ECE का पूरा नाम क्या है ?
2. स्कूल की भाषा में मौखिक आकलन कब होना चाहिए ?
3. चित्रों पर कितने तरह के प्रश्न पूछे जा सकते हैं ?
4. शब्दावली किसे कहते हैं ?
5. ग्रहणशील शब्दावली में किन शब्दों को समझा जाता है ?
6. पढ़कर समझने को कितने स्तरों में बाँटा जाता है ?
7. 'ठोस' शब्द का कोई **एक** उदाहरण दीजिए।
8. शब्दावली शिक्षण मुख्य रूप से किस स्तर के शब्दों पर केन्द्रित होना चाहिए ?

खण्ड–ब

9. भारतीय कक्षाओं में मौखिक भाषा की स्थिति क्या है ? स्पष्ट कीजिए।
10. मौखिक भाषा में क्या-क्या शामिल हैं ?

11. शब्द जानने के स्तरों को समझाइये।
12. आंशिक शब्द ज्ञान व पूर्व शब्द ज्ञान में अन्तर समझाइये।
13. सुनकर समझना पढ़कर समझने की नींव है। अपनी राय स्पष्ट कीजिए।
14. प्रवाहपूर्ण रूप से शब्द पहचान कैसे की जाती है ?

खण्ड—स

15. मौखिक भाषा का विकास क्यों महत्त्वपूर्ण है ? समझाइए।
16. किसी पाठ को पढ़ने से सम्बन्धित मौखिक गतिविधियाँ कौन-कौन सी हैं ? समझाइये।
17. शब्दावली का विस्तार क्या है ? इसका मापन किस प्रकार करते हैं ?
18. पढ़कर समझने की आधारशिला—पूर्वज्ञान को समझाइये।

खण्ड—द

19. मौखिक भाषा विकसित करने की गतिविधि 'अभिनय और रोल प्ले' का वर्णन कीजिए।
20. अनायास शब्दावली अर्जन करने के प्रभावी तरीकों को समझाइये।
21. पढ़कर समझने में अर्थ निर्माण में क्या-क्या शामिल किया जाता है ? समझाइये।
22. जो बच्चे स्कूल में दाखिले के समय स्कूल की भाषा से परिचित नहीं होते उन्हें औपचारिक हिन्दी शब्दावली सिखाने के किसी **एक** सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

खण्ड—इ

23. मौखिक भाषा विकास के लिए किस प्रकार खेलों की मदद ली जा सकती है ? उदाहरण देकर समझाइये।
24. प्रत्यक्ष शब्दावली सिखाने के सिद्धान्त के साथ ही प्रस्तावित प्रक्रिया को समझाइये।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2022 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जून–जुलाई 2021–22 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जून–जुलाई 2021–22 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**